फरीदाबाद
मजदूर समाचार

राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

हमारा प्रयास 'मजदूर समाचार' की महीने में 7000 प्रतियाँ फ्री बाँटने का है। इच्छा अनुसार रुपये-पैसे के योगदान का स्वागत है।

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर **256** *1/–* *अक्टूबर* **2009**

उँगली निशान, चित्र, आँख की पुतली, डी एन ए
प्रत्येक व्यक्ति अपराधी, सम्भावित अपराधी बनने की कथा–गाथा

पहचान-पत्र। फोटो-युक्त पहचान-पत्र। कागज वालों के स्थान पर इलेक्ट्रोनिक पहचान-पत्र। प्रत्येक के पास कोई-न-कोई अथवा अनेक पहचान-पत्र। पहचानों के कम्प्युटरों में भण्डार और इन्टरनेट के जरिये कहीं भी, कभी भी किसी की पहचान को पहुँचाना-देखना-जाँचना-परखना के प्रयास। आज यह सामान्य बात है, आम बात हो रही है। चिन्हित करते पहचान-पत्र का सुविधा और सशक्तिकरण का वाहक बनना-बनाना आज पीड़ा के पहाड़ों तथा असहायता के सागरों से भयभीत हो कर आँख मूँदना लगता है। हालात ऐसे बन गये हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को अपराधी की श्रेणी में धकेल दिया गया है। पर. ..... पर हम असहाय नहीं हैं!

● चिन्हित करने की आवश्यकता "अपने" तथा "अन्य" के उदय से उपजी। समुदायों के बीच प्रेम, आदर, तालमेल के स्थान पर उत्पन्न हुई होड व शत्रुता ने पहचान को आधार प्रदान किया। चिन्हित करना ने आज एक महामारी का रूप धारण कर लिया है।

– चिन्हित करना, जानना, ज्ञान को नियन्त्रण के लिये अनिवार्य आवश्यकता माना गया है। और, दमन-शोषण बिना नियन्त्रण के सम्भव नहीं लगते। बढते दमन-शोषण के लिये कसता नियन्त्रण तथा चिन्हित करने में सटीकता-तीव्रता स्वयसिद्ध लगते हैं।

– उथल-पुथल। विश्व-भर में उथल-पुथल। हर जगह और हर समय उथल-पुथल। अनेक प्रकार के समूहों में प्रत्येक व्यक्ति में उथल-पुथल। इस वास्तविकता ने हर स्वयंसिद्ध को सवालों के घेरा में खडा कर दिया है।

● आज मण्डी और मुद्रा का बोलबाला है। आदि से अन्त तक झूठ-फरेब से पटी मण्डी-मुद्रा सामाजिक सम्बन्धों का एक जटिल ताना-बाना है। सामाजिक सम्बन्ध हैं इसलिये व्यक्तियों के माध्यम से ही क्रियाशील होते हैं। व्यक्ति के जरिये क्रियाशील पर व्यक्ति पर भरोसा नहीं – यह मण्डी और मुद्रा के चरित्र में है।

– निजी और परिवार के श्रम द्वारा मण्डी के लिये उत्पादन का लोप नहीं हुआ है, गायब नहीं हुआ है। विश्व में आज भी करोड़ों, बल्कि अरबों दस्तकार और किसान मण्डी के लिये उत्पादन में संलग्न हैं। लेकिन, मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन का दबदबा है।

– मालिक। इकन्नी-दुअन्नी वाला हिस्सेदार। शेयरहोल्डर डायरेक्टर। पर बात यहीं नहीं रुकी। कर्ज आज कम्पनियों में लगे पैसों का मुख्य स्रोत है। सरकारी कारखाने।

– मण्डी-मुद्रा के जाल में आज लगभग सभी मनुष्य समेट लिये गये हैं, बाँध लिये गये हैं। मण्डी-मुद्रा के तानों-बानों में चेहरों की भरमार है पर प्रत्येक चेहरा चेहराविहीन हो गया है। व्यक्ति के अब चेहरा नहीं रहा।

– राजा शक से परे था। मालिक भी शक के दायरे से बाहर थे। पर चेहराविहीनता के इस दौर में हर व्यक्ति शक के घेरे में है ...... मेहनतकशों पर अविश्वास। मजदूरों पर शक। पुलिसकर्मी, सैनिक, गुप्तचर पर भी अविश्वास। यह आम बात रही है पर आज मण्डी-मुद्रा के कथित प्रतिनिधि भी शक के घेरे में रहते हैं। अब पुलिस-सेना-प्रशासन का प्रत्येक अधिकारी, न्यायाधीश, मन्त्री-प्रधान मन्त्री-राष्ट्रपति, कम्पनी चेयरमैन-डायरेक्टर-सी ई ओ सम्भावित अपराधी की श्रेणी में हैं। आज व्यवस्था के कथित संचालकों को व्यवस्था की जेलों में बन्द किया जाना अजूबा नहीं रहा है।

– आज किसी व्यक्ति पर कोई भरोसा नहीं है इसलिये नियमों-उपनियमों के पहाड़ बने हैं। और, निगरानी तन्त्रों की भरमार होते हुये भी व्यक्तियों पर निगाह रखने के लिये कैमरे, ध्वनि पकड़ कर रखने वाले यन्त्र यत्र-तत्र-सर्वत्र लग गये हैं।

झूठ और फरेब से सराबोर मण्डी और मुद्रा "सत्य" के बिना, "कुछ तो सत्य रहे" के बिना ठप्प हो जायेंगी।

● आज पुराने "अपने" तेजी से टूट रहे हैं तो नित नये "अपने" का सृजन भी व्यापक स्तर पर हो रहा है। और, टूट रहे पुराने "अन्य" को बचाये रखने तथा नये-नये "अन्य" की रचना के लिये सत्ता-तन्त्र बहुत पापड़ बेल रहे हैं।

– यह किसी व्यक्ति अथवा गुट की दिमागी खुराफात नहीं थी (और हो भी तो क्या?) कि मानव योनि में पीड़ा के वह अंकुर फूटे जो आज वटवृक्ष बन गये हैं। हमारे पुरखों ने पीड़ा से पार पाने के लिये अनेकानेक प्रयास किये। कितने ही पन्थ और मत-मतान्तर हमारी विरासत में हैं।

– स्वयं को दोषी ठहराना विलाप में ले गया, आत्म-उत्पीडन में ले गया। दूसरों को, "अन्य" को दोष देने ने टकराओं को उत्पन्न कर पीड़ा को बढाया, पीड़ा की प्रक्रियाओं पर अधिक पर्दे डाले।

– पुराने "अपने" की कमियाँ दूर करने के लिये नये "अपने" बनाये। जिन्हें "अन्य" करार दिया था उन्हें "अपने" बनाया। प्रयास अपनी सीमायें उजागर कर नये प्रयास के लिये प्रस्थान-बिन्दू प्रदान करते हैं। "अपने" का विस्तार और "अन्य" का सिकुड़ना नये समुदायों की पूर्ववेला लगते हैं।

● सब को अपराधी, सम्भावित अपराधी की श्रेणी में खड़ा करना सरकारों की बची-खुची बुनियाद को पाटना है। प्रत्येक को चिन्हित करने की आवश्यकता, हर एक की कम्प्युटरों में जमा बायोमैट्रिक पहचान सत्ता-तन्त्र की शक्ति की नहीं बल्कि लड़खड़ाहट की अभिव्यक्ति है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ई.एस.आई.) ने पहला कार्ड भारत सरकार में प्रथम प्रधान मन्त्री को दिया था। अब चित्र, उँगलियों की छाप, आँख की पुतलियों तथा डी एन ए युक्त पहला पहचान-पत्र भारत सरकार में राष्ट्रपति को दिये जाने की सम्भावना है। हास्यास्पद से परे जा कर इसे देखने की आवश्यकता लगती है। त्रासदी से बाहर निकलना है।■

कानून हैं शोषण के लिये, छूट है कानून से परे शोषण की

वैभव इन्डस्ट्रीज मजदूर : " प्लॉट 63 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में महीने के तीसों दिन 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट – 15 अगस्त और जन्माष्ठमी को काम बन्द रहा तो अनुपस्थिति लगाई। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। यहाँ 130 मजदूर काम करते हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. 2-4 की ही हैं। तनखा 2500-2700 रुपये देते हैं पर हस्ताक्षर 3840 पर करवाते हैं। दो मिनट की देरी पर एक घण्टा काट लेते हैं, महीने में एक-दो दिहाड़ी खा जाते हैं। तनखा हर महीने देरी से – अगस्त की 13 सितम्बर को दी। यहाँ ***एस्कोर्ट्स*** तथा ***न्यू होलैण्ड*** ट्रैक्टर और ***एल एम एल*** दुपहिया के पुर्जे बनते हैं। 12 घण्टे में एक कप चाय भी नहीं देते। गाली देते हैं। पानी की दिक्कत – बाहर जाना पड़ता है। शौचालय बहुत गन्दा है।"

फैशन एज श्रमिक : " 14/1 मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में हम ने ठेकेदारों की कभी शक्ल नहीं देखी है, कम्पनी स्वयं भर्ती करती है पर 15-20 ठेकेदार दिखाती है, कार्डो पर अलग-अलग कम्पनियों के नाम-पते लिखे होते हैं। धागे काटते, मोती-सितारे लगाते 200 मजदूरों की तनखा 2600-2700 रुपये और ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। फैक्ट्री में 800 मजदूर हैं और इस समय काम मन्दा है अन्यथा महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। ओवर टाइम में पानी जैसी चाय और मट्ठी देते हैं। शौचालय गन्दे।"

युनीक मोल्डिंग कामगार : "20 ए /4 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में मोल्डिंग विभाग में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट और डिफ्लैशिंग तथा टूल रूम में 12½ घण्टे की एक शिफ्ट में ***हैवल्स, पॉल मोहन, साल्टर, कॉयन, मिण्डा, जीनस*** का माल बनता है। रविवार को भी काम। काम होता है तो छोड़ते ही नहीं – अगस्त में 4 रोज डिफ्लैशिंग विभाग में 24 घण्टे लगातार काम करवाया। महीने में 120 से 165 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। गर्मी के कारण मोल्डिंग में मजदूर बेहोश हो जाते हैं। साहब लोग गाली देते हैं, थप्पड़ मार देते हैं। मोल्डिंग तथा टूल रूम में हैल्परों की तनखा 3000 और डिफ्लैशिंग में 2800-3000 रुपये। ऑपरेटरों की तनखा 3300-4500 रुपये। ई.एस.आई. व पी.एफ. 100-125 मजदूरों में 50 की ही। पीने के पानी का प्रबन्ध नहीं, व्हर्लपूल से लाना पड़ता है। शौचालय गन्दा। दिवाली पर मेवों का डिब्बा और पुरानों को 500-1500 रुपये बोनस देते हैं – दिवाली से पहले निकालने के लिये तिकड़में करते हैं।"

होराइजन रबड़ प्रोडक्ट्स वरकर : "प्लॉट 8 सैक्टर-5 स्थित फैक्ट्री में अगस्त में 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट थी, सितम्बर से 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट कर दी हैं। भर्ती 3840 रुपये तनखा कह कर किये थे पर दिये 3550 और अब सितम्बर से तनखा 3000 रुपये कर दी है, 12 घण्टे रोज ड्युटी पर महीने के 4500 रुपये। अगस्त में चाय-मट्ठी देते थे, सितम्बर से सिर्फ चाय। छुट्टी करने पर दिहाड़ी तो काटते ही हैं, 100 रुपये ऊपर से भी काट लेते हैं। साहब गाली देते हैं। यहाँ ***लाइफलॉंग, रैगसन, एल जी*** का प्लास्टिक का माल बनता है। डेढ सौ से ज्यादा मजदूर हैं, ई.एस.आई. व पी.एफ. किसी मजदूर की नहीं है।"

प्रिमियम इण्डोप्लास्ट मजदूर : "प्लॉट 41 सैक्टर-4 स्थित फैक्ट्री में 12 घण्टे की ड्युटी है, रविवार को भी। ओवर टाइम सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 2500-2800 और ऑपरेटरों की 3000-3800 रुपये। अस्सी मजदूरों में ई.एस.आई. व पी.एफ. 50 की.....लेकिन इन मदों में 100-250 रुपये ही काटते हैं और पूछने पर कहते हैं कि बाकी राशि कम्पनी स्वयं जमा कर रही है।"

एस टी एल ग्लोबल श्रमिक : " प्लॉट 4 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में ग्रेहाउस में काम करते हम 50 मजदूरों को जून, जुलाई और अगस्त की तनखायें आज 23 सितम्बर तक नहीं दी हैं। यूँ भी हमें 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 4000 रुपये ही देते हैं और हमारी ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

कनसल्ट टैक्नीक्ज कामगार : "41 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, महीने के तीसों दिन। कोई छुट्टी नहीं – 15 अगस्त, 26 जनवरी को दिन में बन्द, रात को ड्युटी। ओवर टाइम सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 2800 रुपये। यहाँ ***व्हर्लपूल*** और ***मारुति सुजुकी*** के प्लास्टिक के पुर्जे बनते हैं।"

गुलाटी स्टील फैब्रीकेशन वरकर : "प्लॉट 280-82 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में सफेद कार्ड वाले 30 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं और हैल्परों की तनखा 2500 तथा ऑपरेटरों की 3000-3500 रुपये। पीले कार्ड वाले 45 मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन। शिफ्ट सुबह 8½ से रात 7 की और ओवर टाइम डेढ की दर से। पीने का पानी ठीक नहीं। गाली साहब के मुँह पर रहती है, बिना गाली के बात नहीं करते, हाथ भी उठा देते हैं।"

वेल्डारक प्रोडक्ट मजदूर : "16/6 मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2200-2500 और ऑपरेटरों की 3000-3200 रुपये। शिफ्ट 12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से। अस्सी मजदूरों में 22 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं।"

श्री साँई सिस्टम श्रमिक : "21 बी ओल्ड फाटक स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2700-3000 और ऑपरेटरों की 3400-4500 रुपये है पर हस्ताक्षर अधिक राशि पर, 6000 पर करवाते हैं।"

सनातन ऑटोप्लास्ट कामगार : "61/8 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2600 और ऑपरेटरों की 3000-3500 रुपये है पर हस्ताक्षर सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन पर करवाते हैं। ड्युटी 12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से।"

नापा ऑटो फोर्ज वरकर : "न्यू इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 250ॅ रुपये और कारीगर पीस पीस रेट पर। पहले ***थर्मोस्टील*** था और तब के 13 मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन।"

रैक्समैक्स मजदूर : "प्लॉट 216 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2900-3200 और ऑपरेटरों की 3500 रुपये। दो साल काम करते हो जाते हैं तब ई.एस.आई. व पी.एफ. के प्रावधान लागू करते हैं। तनखा देरी से, माँगने पर धमकाते हैं।"

इन्डीकेशन इन्सट्रुमेन्ट्स श्रमिक : "प्लॉट 19 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में भर्ती के लिये कैजुअलों से 500 रुपये रिश्वत लेते हैं। काम करते दो-तीन महीने हो जाते हैं तब पैसे बढवाने के लिये दारू माँगते हैं। अधिकारी बदतमीजी करते हैं, गाली देते हैं।"

नूकेम कामगार : "54 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में जुलाई और अगस्त की तनखायें आज 17 सितम्बर तक नहीं दी हैं।"

एस पी एल इन्डस्ट्रीज वरकर : " शिवालिक प्रिन्ट्स की सैक्टर-6 में प्लॉट 21 तथा 39 स्थित फैक्ट्रियों में अगस्त की तनखा आज 23 सितम्बर तक नहीं दी है।"

इलाइट मजदूर : " प्याली कम्पलैक्स, इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2500-2600 और कारीगरों की 3600 रुपये।"

सिसौदिया इंजिनियरिंग वरकर : "न्यू इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में 200 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ई.एस.आई. व पी.एफ. 20 की ही। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से – रविवार के दुगुनी दर से। फास्फेटिंग व रंग वाले 40 की तनखा 3000-4000 और बाकी सब की 2400-2500 रुपये। यहाँ ***होण्डा*** और ***हीरो होण्डा*** के पुर्जो पर रंग चढाया जाता है।"

ओरिफिक डिजाइन श्रमिक : " प्लॉट 120-121 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदारों के जरिये रखे 700 मजदूरों में हैल्परों को 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 3500-4000 रुपये तथा कारीगरों को 5000 रुपये। ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। कम्पनी द्वारा स्वयं भर्ती किये 70 लोगों की ही ई.एस.आई. व पी.एफ.।"

गुड़गाँव में... *(पेज तीन का शेष)*

1 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9½ से रात 8 की शिफ्ट। ओवर टाइम सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 3000-3200 रुपये, ई.एस.आई. व पी.एफ. इन 3000-3200 में काटते हैं।"

सरगम वरकर : "153 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में एक दिन ड्युटी के बाद दो घण्टे रोकते हैं तो दूसरे दिन 2 घण्टे पहले छोड़ देते हैं – ओवर टाइम के पैसे नहीं देते। यहाँ 500 से ज्यादा मजदूर थे, अब 300 हैं। ब्रेक करते रहते हैं और गाली देना तो साहबों का फैशन हो गया है। यहाँ ***एच एस एम*** का काम होता है।"

इनरटाइल मजदूर : "140 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 400 वरकर हैं पर कैन्टीन नहीं है। भोजन गन्दे स्थान पर करना पड़ता है। पीने का पानी खराब है।

गुड़गाँव में मजदूर

***कानून :* ●37-40 *दिन काम करने पर* 30 *दिन की तनखा, अगले महीने की* 7-10 *तारीख तक दे ही देना;* ●8 घण्टे की ड्युटी, तीन महीने में 50 घण्टे से ज्यादा ओवर टाइम काम नहीं, ओवर टाइम का भुगतान वेतन की दुगुनी दर से; ●** *01.07.2009 से हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित कम से कम तनखा प्रतिमाह इस प्रकार हैं : अकुशल मजदूर (हैल्पर) 3914 रुपये (8 घण्टे के 151 रुपये); अर्धकुशल अ 4044 रुपये (8 घण्टे के 156 रुपये); अर्धकुशल ब 4174 रुपये (8 घण्टे के 161 रुपये); कुशल श्रमिक अ 4304 रुपये (8 घण्टे के 166 रुपये); कुशल श्रमिक ब 4434 रुपये (8 घण्टे के 171 रुपये); उच्च कुशल मजदूर 4564 रुपये (8 घण्टे के 176 रुपये)। कम से कम का मतलब है इन से कम तनखा देना गैरकानूनी है।* इस सन्दर्भ में 25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिये कुछ पते : 1. श्रीमान श्रम आयुक्त, हरियाणा सरकार 30 बेज बिल्डिंग, सैक्टर-17, चण्डीगढ 2. श्रीमान मुख्य मन्त्री, हरियाणा सरकार हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ

लोगवैल फोर्ज मजदूर : "116 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हम 48 मजदूर 14 वर्ष से काम कर रहे थे। हमें कम्पनी ने स्वयं भर्ती किया था। इधर अगस्त 09 में कम्पनी ने अचानक हम 48 को एक ठेकेदार के जरिये रखे वरकर बनाया और हम में से 26 को नौकरी से निकाल दिया। ग्रेच्युटी भी नहीं दी 26 को और अब 22 से 48 वाला काम करवा रहे हैं। यहाँ ***मारुति सुजुकी*** के पुर्जे बनते हैं। चार ठेकेदारों के जरिये रखे 400 मजदूर अब फैक्ट्री में हैं — जुलाई से देय डी.ए. के 74 रुपये नहीं दिये हैं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की और ओवर टाइम के पैसे दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से।"

ईस्टर्न मेडिकिट श्रमिक : "उद्योग विहार स्थित कम्पनी की फैक्ट्रियों में हम कैजुअल वरकरों को अगस्त की तनखा 20-21 सितम्बर को जा कर दी। हमारी 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं, ओवर टाइम सिंगल रेट से और अगस्त में किये के पैसे आज, 30 सितम्बर तक नहीं दिये हैं। तीन वर्ष से कैजुअलों को बोनस देते ही नहीं।"

निओलाइट कामगार : "396 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 9 की शिफ्ट में ***मारुति सुजुकी, आयशर, टाटा*** वाहनों की बत्तियाँ बनती हैं। मजदूरों को 16 रुपये प्रतिघण्टा देते थे, जुलाई से इसे 15 रुपये 40 पैसे प्रतिघण्टा कर दिया है — ओवर टाइम में भी यही रेट। रविवार को भी काम पर बुला लेते हैं। एक दिन छुट्टी करने पर निकाल देते हैं — अगर रख लेते हैं तो एक दिन मुफ्त में काम करवाते हैं। पाँच मिनट की देरी पर एक घण्टे के पैसे काट लेते हैं। एक लाइन में 40 मजदूर और मात्र एक पँखा — गर्मियों में भारी परेशानी। कूलर है पर चलाते नहीं — कहते है कि मिट्टी आने से माल खराब हो जायेगा।"

रखेजा इन्टरप्राइज वरकर : "ए-74 उद्योग विहार फेज-4 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2600 रुपये और कारीगरों को 8 घण्टे के 120 रुपये। ड्युटी सुबह 9½ से रात 8 की, ओवर टाइम सिंगल रेट से। ई.एस.आई. व पी.एफ. 350 मजदूरों में 10 के ही। पीने का पानी ठीक नहीं। साहब गाली देते हैं।"

एस. एस. इन्टरनेशनल मजदूर : "821 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2500 रुपये — अब 2800 रुपये बोले हैं। सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे के 125-140 रुपये। ई.एस.आई. व पी.एफ. स्टाफ की ही — 200 मजदूरों में किसी की नहीं। छोड़ने पर 10-15 दिन किये काम के पैसे नहीं देते।"

मनिसेन्ट्रा एक्सपोर्ट श्रमिक : "212 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9½ से रात 12 की शिफ्ट रोज की है और रात 2 तक, अगली सुबह 8 बजे तक रोक लेते हैं। हैल्परों की तनखा 2800 रुपये और कारीगरों को 8 घण्टे के 140 रुपये देते हैं। ई.एस.आई. व पी.एफ. 200 मजदूरों के नहीं हैं, स्टाफ के होंगे। सुबह 9½ से रात 12 के दौरान दो बार आधे-आधे घण्टे का भोजन अवकाश देते हैं, चाय के लिये कोई समय नहीं। नाइट कह कर, 5 घण्टे को अतिरिक्त समय कह कर इनका 8 घण्टे के बराबर भुगतान करते हैं। अगस्त की तनखा 15 सिम्बर को दी और अतिरिक्त समय का भुगतान आज, 30 सितम्बर को करने की बात है। दो सौ मजदूरों के लिये पीने के पानी का मात्र एक नल है। मैनेजर बहुत गाली देते हैं।"

एवरग्रीन लैदर कामगार : "डुण्डाहेड़ा में स्थित फैक्ट्री में 100 मजदूर ***गैप*** के लिये चमड़े के जैकेट बनाते हैं। किसी भी मजदूर की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं। रोज 2 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। कम्पनी की मुख्य फैक्ट्री उद्योग विहार फेज-5 में है।"

साँई इन्टरनेशनल वरकर : "330 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9½ से रात 9 तक रोज रोकते हैं और फिर 10½ तक रोकते हैं तो 10 रुपये रोटी के और रात 2 तक रोकते हैं तो रोटी के लिये 20 रुपये देते हैं। ओवर टाइम सिंगल रेट से। यहाँ ***प्रेमिमा*** का माल बनता है। ठेकेदार के जरिये रखे मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। कैन्टीन नहीं है। शौचालय गन्दा।"

गौतम पैकेजिंग मजदूर : "354 उद्योग विहार फेज-4 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ***मारुति सुजुकी*** की सीट बैल्ट तथा पावर विण्डो के अंश बनते हैं। ओवर टाइम सिंगल रेट से। कुशल श्रमिकों को अकुशल श्रमिकों के लिये सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं।"

पोद्दार एक्सपोर्ट श्रमिक : "637-8 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9½ से रात 8½ की शिफ्ट है। ओवर टाइम सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 2700 रुपये। पाँच सौ मजदूरों के वेतन में से ई.एस.आई. व पी.एफ. की राशि काटते हैं पर नौकरी छोड़ने पर फण्ड निकालने का फार्म भरते ही नहीं।"

इण्डिया हैण्डलेबल कामगार : "92 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में काम करते 500 मजदूरों में 15-20 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। हैल्परों की तनखा 3000 रुपये।"

गार्ड : "पालम विहार में घोड़ा फार्म के पास कार्यालय वाली ***एस एल वी सेक्युरिटी*** कम्पनी के पास दस हजार से ज्यादा गार्ड हैं। हम गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाते हैं, साप्ताहिक छुट्टी नहीं। रोज 12 घण्टे पर 30 दिन के 5460 रुपये देते हैं। अधिकारी गाली देते हैं, तनखा भी रोक लेते हैं।"

हरियाणा इन्टरप्राइजेज वरकर : "318 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम की दर मात्र 10 रुपये प्रतिघण्टा। यहाँ ***मारुति सुजुकी*** के पुर्जे बनते हैं। पावर प्रेसों पर हाथ कटते रहते हैं — प्रायवेट में इलाज करवा कर निकाल देते हैं।"

शिवांग एक्सपोर्ट मजदूर : "671-2 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 7½ की शिफ्ट, ओवर टाइम सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 3000 रुपये और कारीगरों को 8 घण्टे के 140 रुपये। ई.एस.आई. व पी.एफ. एक हजार मजदूरों में दस के ही।"

कुरुबॉक्स प्रोडक्ट्स श्रमिक : "172 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में अगस्त की तनखा आज 30 सितम्बर तक नहीं दी है। आठ की बजाय 9¼ घण्टे ड्युटी पर सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं। यहाँ ***फोसिल, नेक्स्ट*** का चमड़े का माल बनता है। सवा नो घण्टे की ड्युटी के बाद महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान दुगुनी दर से।"

विवा ग्लोबल कामगार : "413 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में डी.ए. 6 महीने बाद लागू करते हैं और एरियर खा जाते हैं। ओवर टाइम सिंगल रेट से। काम करते दो महीने हो जाते हैं तब ई.एस.आई. व पी.एफ. के प्रावधान लागू करते हैं। सीनियरों का व्यवहार ठीक नहीं, गाली देते हैं, निकलवा देते हैं।"

मोडलामा एक्सपोर्ट वरकर : "105 उद्योग विहार फेज-1 स्थित बड़ी फैक्ट्री से 4 सितम्बर को कार्ड पँच में दो मिनट की देरी पर मुझे नौकरी से निकाल दिया। चक्कर काटने के बाद भी अगस्त की तनखा मुझे आज 30 सितम्बर तक नहीं दी है।"

कैलाश रिबन मजदूर : "403 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में नये हैल्पर की तनखा 3000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

पोलीपैक श्रमिक : "194 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3500-3800 रुपये। ओवर टाइम सिंगल रेट से। पीने के पानी की समस्या है। शौचालय गन्दा।" ***थारशा एक्सपोर्ट कामगार :*** "174 उद्योग विहार फेज-

(बाकी पेज दो पर)

दिल्ली में मजदूर

महँगाई भत्ते के 19 रुपये घोषित किये हैं जबकि एक किलो आलू 20 रुपये का हो गया है, दाल 40 की जगह 80 रुपये किलो हो गई है। डी.ए. के 19 रुपये जोड़ने के बाद 1 अगस्त 09 से दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन प्रतिमाह इस प्रकार हैं : अकुशल श्रमिक 3953 रुपये (8 घण्टे के 152 रु.); अर्ध-कुशल श्रमिक 4119 रुपये (8 घण्टे के 159रु); कुशल श्रमिक 4377 रुपये (8 घण्टे के 169 रु) । 25-50 पैसे के पोस्टकार्ड के लिये पते: श्रम आयुक्त, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली- 110054; उप श्रमायुक्त (दक्षिण दिल्ली) 122-123 ए-विंग पहली मंजिल, पुष्प भवन, पुष्प विहार, नई दिल्ली।

मुल्तानी फार्मास्युटिकल्स मजदूर : "सी-100 ओखला फेज-1 स्थित आयुर्वेदिक दवा फैक्ट्री में नये हैल्परों की तनखा 2700-2800 और पुरानों की 3500-3600 रुपये है पर हस्ताक्षर 3934 पर करवाते हैं। सुबह 9 से रात 8 की ड्युटी है और ओवर टाइम सिंगल रेट से भी बहुत कम, मात्र 10 रुपये प्रतिघण्टा। बोनस में 2000-2200 रुपये देते हैं और हस्ताक्षर 3900 से ज्यादा पर करवाते हैं। रुड़की में नई फैक्ट्री बनाई है।"

क्रियेटिव इम्पैक्स श्रमिक : "ई-49/7 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में फैशन शो में मॉडलों के परिधान बनते हैं — इस समय दुबई के ***रामी अली*** के 22 पीस 22 स्टाइल में बन रहे हैं और प्रत्येक कम से कम एक लाख रुपये का है। बहुत सिरदर्दी का काम है। सिलाई, मोती-सितारे जड़ना, हाथ से कढाई, मशीन से कढाई करते 100-125 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। यानी, कम्पनी व सरकार के अनुसार फैक्ट्री में मजदूर हैं ही नहीं। रात को रोकने पर क्रियेटिव इम्पैक्स जो गेट पास देती है उस पर पार्वती गारमेन्ट्स का फर्जी नाम होता है। ओवर टाइम सिंगल रेट से। कम्पनी एक कप चाय भी नहीं देती और भोजन मशीनों की बगल में नीचे बैठ कर करना पड़ता है। उच्च कुशल सिलाई कारीगर दिहाड़ी पर और वर्ष के 52 रविवार में 45 से ज्यादा में ड्युटी रहती है......पर इस वर्ष मार्च में काम कम होने पर कम्पनी ने शनि व रवि को काम बन्द रखा — कारीगर सप्ताह में दो दिन बिना दिहाड़ी। दो सप्ताह बाद काम आते ही बड़े साहब बोले, 'अब कोई छुट्टी नहीं!' सिलाई कारीगरों ने कहा कि दिहाड़ी 170 से 200 रुपये कीजिये अन्यथा...... मजदूरों ने शनिवार व रविवार को छुट्टी की। इस पर कम्पनी ने सब निकाल दिये पर नये भर्ती सिलाई कारीगरों की दिहाड़ी 185 रुपये।"

ओरियन्ट क्राफ्ट कामगार : "एफ-8 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में ***मानसून*** के माल की सिलाई होती है, फिनिशिंग ओरियन्ट क्राफ्ट की बी-16 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में होती है। आठ सौ सिलाई मशीन हैं और सिलाई कारीगरों को दो ठेकेदारों के जरिये रखते हैं। हैल्पर, चेकर, लाइन मास्टर कम्पनी स्वयं रखती है। हर तीन वर्ष में ठेकेदार का बदला हुआ नाम — मजदूरों से इस्तीफे लिखवा कर नये ई.एस.आई. व पी.एफ. नम्बर के साथ नई भर्ती दिखाते हैं। बायर के दबाव से सिलाई कारीगरों को फण्ड के पैसे 2007 से देने शुरू किये हैं पर बोनस अब भी नहीं देते। यहाँ 1200 मजदूर काम करते हैं पर कैन्टीन नहीं है.... बायर के प्रतिनिधि आते हैं तब नई कुर्सी-टेबल डाल कर कैन्टीन दिखाते हैं और उनके जाते ही हटा देते हैं। डॉक्टर सप्ताह में एक बार आता है पर हम मजदूरों को पता ही नहीं चलता। महीने में 40-80 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। सितम्बर-मध्य में 200 सिलाई कारीगर नौकरी से निकाल दिये...."

ऋचा ग्लोबल वरकर : "एक्स-62 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री से 4 सितम्बर को 125 सिलाई कारीगर नौकरी से निकाले तो कुछ तो हिसाब ले कर चले गये पर कुछ विरोध करने के लिये एक यूनियन के पास गये हैं। ऐसे में कम्पनी बचे हुये 250 मजदूरों को कुछ नहीं कह रही। कम्पनी की ओखला फेज-2 में ही 8 फैक्ट्रियाँ हैं और दिवाली से पहले हर वर्ष 4 को बन्द कर मिठाई के पैसे बचाती है .... एक्स-62 फैक्ट्री में किसी भी मजदूर की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं, उन 15 की भी नहीं जिन्हें परमानेन्ट कहा जाता है। कम्पनी 95-98 प्रतिशत मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं देती — सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे के 155 रुपये, हैल्परों की तनखा 3800 रुपये और धागे काटने वाली 20 महिला मजदूरों की इससे भी कम। इस समय काम कम है इसलिये प्रतिदिन ड्युटी सुबह 9½ से रात 9 की है, काम बढने पर महीने में 15 रोज रात 1 बजे तक रोकते हैं। ओवर टाइम सिंगल रेट से। पीने का पानी खारा है और भोजन मशीनों की बगल में नीचे बैठ कर करना पड़ता है।"

एस पी जे कन्सल्ट मजदूर : "डी-45 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2400-2500 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। पीतल का ढलाई तथा फाइलिंग किया हुआ माल बाहर से यहाँ आता है और डिजाइन व पॉलिश के बाद अमरीका में ***बी एम*** व ***बी बी*** को भेजा जाता है।"

प्राइम पेपर प्रोडक्ट श्रमिक : "बी-18/2 ओखला फेज-2 स्थित प्रिन्टिंग प्रेस में सुबह 9 से रात 2 बजे तक रोज ड्युटी में ***पेप्सी*** और ***ट्रोपिकाना*** का छपाई का काम होता है। महीने में 2-4 रोज तो सुबह 9 से अगली सुबह 9 तक काम करवाते हैं। ओवर टाइम सिंगल रेट से। डेढ सौ मजदूरों में 100 की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। हैल्परों की तनखा 2000-2200 और ऑपरेटरों की 4000-4200 रुपये। फील्ड वरकरों की सुबह 9 से रात 8 की ड्युटी, प्रतिदिन 11 घण्टे काम पर महीने के 3500 रुपये — ओवर टाइम के पैसे देते ही नहीं।"

लिलिपुट किड्स वीयर कामगार : "डी-95 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3600 रुपये। दो सौ मजदूरों में 100 की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

राधनिक एक्सपोर्ट वरकर : "बी-24 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में सिलाई कारीगर, चेकर तथा हेल्पर कम्पनी ने स्वयं रखे हैं और सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं पर ड्युटी रोज सुबह 9½ से रात 1 बजे की है। महिला मजदूरों को भी रात 1 बजे तक रोकते हैं और उन्हें कम्पनी की गाड़ी छोड़ने जाती है। रविवार को भी काम। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। धुलाई तथा प्रेसिंग के लिये ठेकेदार के जरिये रखे 50 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। धुलाई में हैल्परों की तनखा 2500 और मास्टर की 3200 रुपये। प्रेसिंग मजदूर पीस रेट पर, 8 घण्टे के 75-80 रुपये बनते हैं।"

अलकनन्दा एडवरटाइजमेन्ट मजदूर : "69 डी एस आई डी सी शेड ओखला फेज-2 स्कीम-1 स्थित कम्पनी ***जेनपैक*** के लिये डिजाइनिंग कर नेहरु प्लेस से छपाई करवाती है और यहाँ काम करते 30 वरकरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। साहब बदतमीजी से बात करते हैं। हैल्परों की तनखा 2500 रुपये। वेतन हर महीने देरी से, 15 तारीख के बाद देते हैं।"

कुछ पते

25-50 *पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिए*

दिल्ली, नोएडा, सोनीपत, बहादुरगढ, गुड़गाँव, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्रियों में हर मजदूर का कर्मचारी राज्य बीमा, ई.एस.आई. होनी चाहिये। मजदूर दो-चार दिन के लिये भर्ती की गई हो चाहे ठेकेदार के जरिये रखा गया हो — प्रत्येक मजदूर की ई.एस.आई. होनी चाहिये। यह कानून कहता है। फैक्ट्री में काम करते किसी मजदूर की ई.एस.आई. नहीं होने का मतलब है : कम्पनी तथा सरकार के अनुसार वह मजदूर फैक्ट्री में काम नहीं करता—करती। इस सन्दर्भ में 25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिये कुछ पते :

1. श्रम मन्त्री, भारत सरकार
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली—110001
2. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला रोड, नई दिल्ली-110002
3. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, सैक्टर-16, फरीदाबाद— 121002 (पूरे हरियाणा के लिये)
4. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डी.डी.ए. एस.सी.ओ., राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008 (दिल्ली क्षेत्र के लिये)

और, पी. एफ. के लिये —

1. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
14 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली—110066
2. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, भविष्य निधि भवन, सैक्टर-15ए, फरीदबाद—121007
4. उप-क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त
प्लॉट 43, सैक्टर-44, गुड़गाँव — 122002
5. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (दक्षिणी दिल्ली)
60 स्काईलार्क बिल्डिंग, पाँचवीं मंजिल
नेहरु प्लेस, नई दिल्ली — 110019

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे0 के0 आफसैट दिल्ली से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73-2011